

25 वर्ष पूर्व सेवा-निवृत्त हुए और इस समय सेवा-निवृत्त हुए सैनिक कामियों की पेंशनों के बीच अन्तर

3614. श्री वृद्धि चन्द्र जैन : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 25 वर्ष पूर्व सेवा-निवृत्त हुए और इस समय सेवा निवृत्त हुए एक ही पद के सैनिक कामियों की पेंशनों के बीच कोई अन्तर है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार का विचार इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पहले सेवा निवृत्त हुए भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन में वृद्धि करने का है, कि बढ़ते हुए मूल्यों का प्रभाव पहले सेवा-निवृत्त हुए भूतपूर्व सैनिकों तथा हाल ही में सेवा-निवृत्त हुए सैनिकों पर समान रूप में पड़ा है और यदि हां, तो ऐसा कब तक किया जायेगा ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० पी० एन० सिंह) (क) और (ख) . सेवा निवृत्त होने वाले सैनिकों कामियों की पेंशन की दरें अन्य बातों के साथ-साथ उनके वेतन पर आधारित होती हैं और इस तरह जब कभी वेतन मानों में वृद्धि होती है तो पेंशन की दरों में भी समुचित वृद्धि की जाती है । लेकिन पेंशन की नई दरें पिछली तारीख से लागू करने की सामान्यतः नीति नहीं है । वर्तमान वेतनमान 25 वर्ष पुराने वेतनमानों से अधिक है और इसलिए वर्तमान पेंशन दरें भी अधिक हैं ।

(ग) पहले सेवा निवृत्त हुए भूतपूर्व सैनिकों की पेंशन की दरों में वृद्धि करने का कोई मामला सरकार के विचाराधीन नहीं है । तथापि मूल्य वृद्धि के कारण बढ़ते हुए निर्वाह-खर्च की प्रतिपूर्ति करने के लिए उन्हें समय-समय पर तदर्थ वृद्धि, पेंशन पर तदर्थ व आवधिक राहत मंजूर की जाती है ।

Setting up of Solar Research Centres

3615. SHRI NAVIN RAVANI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) how many solar research centres are working at present and where; and

(b) whether there is any proposal to set up more centres and whether any study to set up one of such centres at Bhavnagar in Gujarat has been undertaken in view of its immense resources?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI C. P. N. SINGH): (a) A number of existing institutions in the country are already engaged on R&D work in the field of solar energy, the prominent ones being, Institutes of Technology, Indian Institute of Science, Bangalore, CSIR Laboratories, Laboratories of the Defence Research and Development Organization, several Universities, R & D Division of BHEL, Central Electronics Ltd., Tata Energy Research Institute, Pondicherry, Jyothi Ltd., Baroda, Punjab Agricultural University, Ludhiana, Central Arid Zone Research Institute, Jodhpur and other institutions. A list of institutions where Department of Science and Technology has funded research and development projects in this area is attached.

(b) The Department of Science and Technology has formulated a coordinated national R & D programme on solar energy by availing of expertise and infrastructure in the existing institutions (including the Central Salt and Marine Chemicals Research Institute of CSIR at Bhavnagar) in the country; no specific study for setting up additional centres including at Bhavnagar has been undertaken.